दर्द | By Kamal Nayak

जब दर्द हो भक्तों को मेरे साई को भी होता
जब नींद ना आये हमें मेरे साईं भी ना सोता

एक साईं ही है जग में हर रिश्ते निभाता है
हर मुश्किल में बाबा बस दौड़ा आता है
कोई और नहीं दिखता साई सामने जब होता
जब नींद ना आये हमें मेरे साईं भी ना सोता
जब दर्द हो भक्तों को.....

जो डोर बंधी उसको हम कैसे छुड़ाएंगे
जो है उपकार किये हम कैसे भुलायेंगे
मेरी मिट जाती हस्ती गर साईं नहीं होता
जब नींद ना आये हमें मेरे साईं भी ना सोता
जब दर्द हो भक्तों को.....

बाबा ने कृपा अपनी जबसे बरसाई है
मेरी मुरझाई बगिया फिर से महकाई है
हमें इतना दिया उसने कभी कम ही नहीं होता
जब नींद ना आये हमें मेरे साईं भी ना सोता
जब दर्द हो भक्तों को.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a6-by-kamal-nayak/